पत्र सं. 17-8/2018(प्र/वि)/मसारावेविप्र/ दिनांक 18-09-2018

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान परिसर में राष्ट्रीय आदर्श वेदविद्यालय के लिए प्रवेश अधिसूचना

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान के चिन्तामण गणेश मार्ग पो. जवासिया उज्जैन म.प्र. के परिसर में राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय की स्थापना की जा रही है।

राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय वर्ष 2018-19 से संविदात्मक मॉडल के आधार पर प्रारम्भ हो रहा है जिस में ऋग्वेद शाकल शाखा, शुक्लयजुर्वेद माध्यान्दिनी शाखा, शुक्लयजुर्वेद काण्व शाखा, कृष्णयजुर्वेद तैत्तिरीय शाखा, सामवेद कौथुम शाखा, सामवेद जैमिनीय शाखा, सामवेद राणायनीय शाखा, अथर्ववेद शौनक शाखा, अथर्ववेद पैप्पलाद शाखा, संस्कृत, अंग्रेजी, गणित, सामाजिक-विज्ञान, विज्ञान, योग एवं खेल विषयों का अध्ययन कराया जायेगा।

वेद की मौखिक परंपरा के अनुसार वेद के सस्वर तथा आधुनिक विषय में अध्ययन के लिये प्रवेश हेतु विवरण निम्नानुसार हैं ।

क्र	विषय	अधिकतम छात्र संख्या	आयु	शैक्षणिक योग्यता
1	ऋग्वेद शाकल शाखा	10	अधिकतम 18 वर्ष	महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान से वेदभूषण परीक्षा में 80 प्रतिशत से अधिक अंकों के साथ उत्तीर्ण की हो।
2	शुक्लयजुर्वेद माध्यान्दिनी शाखा	10	अधिकतम 18 वर्ष	- उपर्युक्त अनुसार -
3	शुक्लयजुर्वेद काण्व शाखा	10	अधिकतम 18 वर्ष	-उपर्युक्त अनुसार-

4	कृष्णयजुर्वेद-तैत्तिरीय शाखा	10	अधिकतम 18 वर्ष	-उपर्युक्त अनुसार-
5	सामवेद कौथुम शाखा	10	अधिकतम 18 वर्ष	-उपर्युक्त अनुसार-
6	सामवेद जैमिनीय शाखा	10	अधिकतम 18 वर्ष	-उपर्युक्त अनुसार-
7	सामवेद राणायनीय शाखा	10	अधिकतम 18 वर्ष	-उपर्युक्त अनुसार-
8	अथर्ववेद शौनक शाखा	10	अधिकतम 18 वर्ष	-उपर्युक्त अनुसार-
9	अथर्ववेद पैप्पलाद शाखा	10	अधिकतम 18 वर्ष	-उपर्युक्त अनुसार-

राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय की विभिन्न व्यवस्थाएँ एवं नियम व शर्तें –

1- राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय में दो वर्षीय वेद विभूषण पाठ्यक्रम का अध्ययन कराया जायेगा ।

2- वेद विद्यालय में प्रवेश के लिये वेद की मौखिक परम्परा के साथ साथ, ब्राह्मण, आरण्यक, वेदाङ्गों एवं अन्य आधुनिक विषयों का भी अध्ययन कराया जायेगा जिसके लिये हिंदी, संस्कृत, अंग्रेजी भाषा लिखने, पढ़ने का ज्ञान होना आवश्यक है।

3- योग एवं खेल खूद का भी अभ्यास कराया जायोगा।

4- राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय पूरी तरह से आवासीय विद्यालय है।

5- विद्यालय पूर्ण रूप से निःशुल्क है तथा किसी भी प्रकार का चन्दा आदि देय नहीं होगा।

6- विद्यालय का जीवन उच्च अनुशासित, पूर्णतः पारम्परिक, वैदिक संस्कृति और वैदिक ज्ञान पर आधारित होगा।

7- विद्यालय में आवास, भोजन, पठन सामग्री, निःशुल्क प्रदान की जायेगी।

8- विद्यालय में छात्रों को पारम्परिक वेशभूषा में रहना होगा। प्रत्येक वर्ष 2 जोड़ गणवेश (धोती, कुर्ता), शीतऋतु वस्त्र आदि अनुदान को ध्यान में रखकर दिया जा सकता है।

9- विद्यालय में छात्रों का आचरण वैदिक परम्परा एवं शिष्टता के अनुसार होगा।

10- विद्यालय एवं छात्रावास में किसी भी प्रकार के आधुनिक गेजेट का उपयोग नहीं होगा।

11- सभी तरह के व्यवस्था में सचिव, म.सां रा. वे.वि.प्र., उज्जैन के आदेश मान्य होंगे।

12- विद्यालय में छात्रों का चयन में प्रवेश समिति का निर्णय सर्वमान्य होगा।

सचिव

म.प्र.वि.वे.रा.सां., उज्जैन